

राष्ट्र भू-भाग से नहीं उसके लोगों से बनता है: कोठारी



धिसौड़गढ़ राष्ट्र भू-भाग से नहीं उसके लोगों से बनता है। किसी भी राष्ट्र के लिए सबसे पहले भूमि, उसमें रहने वाले लोग, लोगों द्वारा बोले जाने वाली भाषा और संस्कृति आवश्यक है। राष्ट्र इन सभी तत्वों का समिश्रण होता है। उक्त बातें मेवाड़ विश्वविद्यालय में युवा कार्यरत म एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार तथा क्षेत्रीय निदेशालय राष्ट्रीय मेवा योजना, जयपुर के संयुक्त सत्वाधान में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर के पांचवें दिन तीसरे सत्र में देतभर के एनएसएस वालंटियर्स को सम्बोधित करते हुए हिन्दू आध्यात्म और सेवा संस्था के संयोजक गुणवन्त कोठारी ने कही। आगे उन्होंने इजरायल का उदाहरण देते हुए कहा कि हमें अपने राष्ट्र के प्रति सदैव निष्ठा का भाव रखना चाहिये तभी हम एक सच्चे राष्ट्रवादी कहलाने के हकदार हैं। तीसरे सत्र की अध्यक्षता करते हुए मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने कहा कि यह सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर विद्यार्थियों में राष्ट्र के प्रति एकता की भावना एवं परस्पर एक दूसरे की संस्कृतियों की साझा करने का

सुनहरा मंच है। परिचय एवं स्वागत भाषण मेवाड़ विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने दिया। प्रथम सत्र में देश भर से आये हुए एनएसएस वालंटियर्स को मेवाड़ विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट डायरेक्टर हरीश गुरनानी ने सम्बोधित किया। उन्होंने छात्रों को नौकरी और व्यवसाय के बीच अन्तर को स्पष्ट करते हुए करियर सम्बन्धी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। दूसरे सत्र में प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने कहा कि भारत एक स्पन्दन है इसे महसूस करने की कोशिश करें। उन्होंने भारत के विभिन्न राज्यों की संस्कृतियों का हवाला देते हुए उनमें निहित विभिन्नता में एकता की भावना का महत्व बताया। शिविर में सभी एनएसएस वालंटियर्स ने मेवाड़ विश्वविद्यालय में प्रभातफेरी, योग, अन्नदान एवं सफाई अभियान में हिस्सा लिया। इस अवसर पर गाजियाबाद डायरेक्टर डॉ. अलका अग्रवाल, क्षेत्रीय निदेशालय जयपुर के निदेशक एस.पी. भटनागर, अवण कटारिया, कॉर्डिनेटर, सौरभ शुक्ला, डॉ. ज्योति सिंह राघव एवं एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी मौजूद रहे।

मेवाड़ विश्व विद्यालय में राष्ट्रीय एकता शिविर

अपने राष्ट्र के प्रति सदैव निष्ठा का भाव रखें: कोटारी

गंगार, 26 मई (जस.)। राष्ट्र भू-भाग से नहीं उसके लोगों से बनता है। किसी भी राष्ट्र के लिए सबसे पहले भूमि, उसमें रहने वाले लोग, लोगों द्वारा बोले जाने वाली भाषा और संस्कृति आवश्यक है, राष्ट्र इन सभी तत्वों का संमिश्रण होता है।

यह बात मेवाड़ विश्वविद्यालय में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार तथा क्षेत्रीय निदेशालय राष्ट्रीय सेवा योजना जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर के चौथे दिन तीसरे सत्र में देशभर के एनएसएस वॉलंटियर्स को सम्बोधित करते हुए हिन्दू आध्यात्म और सेवा संस्था के संयोजक गुणवन्त कोटारी ने की। उन्होंने इजरायल का उदाहरण देते हुए कहा कि हमें अपने राष्ट्र के प्रति सदैव निष्ठा का भाव रखना चाहिये तभी हम एक सच्चे राष्ट्रवादी कहलाने के हकदार हैं। तीसरे सत्र की अध्यक्षता करते हुए मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अशोक कुमार गर्दिया ने कहा कि यह सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर विद्यार्थियों में राष्ट्र के



प्रति एकता की भावना एवं परस्पर एक दूसरे की संस्कृतियों को साझा करने का सूनहटा संघ है, विश्वविद्यालय का भी सदैव यही उद्देश्य रहा है। उन्होंने बताया कि मेवाड़ विश्वविद्यालय में

देशभर के लगभग 24 राज्यों के विद्यार्थी निर्वासित अभ्यस्य करते हैं। कार्यक्रम में परिचय एवं स्वागत भाषण प्रतिकूलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने दिया। प्रथम सत्र में देश भर

से आये हुए एनएसएस वॉलंटियर्स को विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं फ्लेसमेंट ऑफिसर हरिश गुप्तानी ने सम्बोधित किया। उन्होंने छात्रों को नीकरी और व्यवस्था के बीच अन्तर

को स्पष्ट करते हुए कैरियर सम्बन्धी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। दूसरे सत्र में 'राष्ट्र निर्माण में संस्कृति की भूमिका' विषय पर एनएसएस वॉलंटियर्स को सम्बोधित करते हुए प्रतिकूलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने कहा कि भारत एक सन्दन है, इसे महसूस करने की कोशिश करें। उन्होंने भारत के विभिन्न राज्यों की संस्कृतियों का हवाला देते हुए उनमें निहित विभिन्नता में एकता की भावना का महत्व बताया। एनएसएस वॉलंटियर्स ने विश्वविद्यालय में प्रभातपूजा, योग, अमदान एवं सफाई अभियान में हिस्सा लिया। इसके अलावा राजस्थान एवं आसाम के एनएसएस वॉलंटियर्स ने दोपहर में खेलकूद गतिविधियों एवं सायंकाल चौथे सत्र में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रदर्शन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन राजस्थान के राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. करिष मिश्रा एवं धनबाद जयन्त आसाम के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी ज्योतिष मान ने किया।

Jannayak 27-05-2022

राष्ट्र भू-भाग से नहीं उसके लोगों से बनता है: गुणवन्त कोठारी

गंगारार। राष्ट्र भू-भाग से नहीं उसके लोगों से बनता है। किसी भी राष्ट्र के लिए सबसे पहले भूमि, उसमें रहने वाले लोग, लोगों द्वारा बोले जाने वाली भाषा और संस्कृति आवश्यक है। राष्ट्र इन सभी तत्वों का समिश्रण होता है। उक्त बातें मेवाड़ विश्वविद्यालय में युवा कार्यक्रम एवं खेल मन्त्रालय भारत सरकार तथा क्षेत्रीय निदेशालय राष्ट्रीय सेवा योजना, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सात दिवस राष्ट्रीय एकता शिविर के पांचवें दिन तीसरे सत्र में देशभर के एनएसएस वालन्टियर्स को सम्बोधित करते हुए हिन्दू आध्यात्म और सेवा संस्था के संयोजक गुणवन्त कोठारी ने कही। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया, प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल, ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट डायरेक्टर हरीश गुरनानी ने भी सम्बोधित किया। राष्ट्रनिर्माण में संस्कृत की भूमिका बताई।

शिक्षा मंत्री डॉ. कल्ला आज चित्तौड़गढ़ जिले में

चित्तौड़गढ़ (प्रातःकाल संवाददाता)। शिक्षा मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला गुरुवार रात रेल मार्ग से उदयपुर से प्रस्थान कर आज बड़े सुबह चित्तौड़गढ़ रेलवे स्टेशन पहुंचेंगे। प्रस्तावित यात्रा कार्यक्रम के अनुसार शिक्षा मंत्री सुबह 10:30 बजे मेवाड़ यूनिवर्सिटी, गंगारार में एक कार्यक्रम में शिरकात करेंगे और दोपहर 2:15 बजे निम्बाहेड़ा पंचायत समिति सभागार में शिक्षा विभाग के जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेंगे। कल्ला निम्बाहेड़ा के गुड़ा खेड़ा में राउमावि के लगे भवन का उद्घाटन कर यहां से वे सड़क मार्ग से उदयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

महिला आयोग अध्यक्ष आज आरंगी

राष्ट्रीय महिला आयोग, अध्यक्ष रेखा शर्मा बुधवार को उदयपुर एयरपोर्ट से प्रातः 8:15 बजे सड़क मार्ग द्वारा प्रस्थान कर मेवाड़ यूनिवर्सिटी गंगारार के एक कार्यक्रम में शिरकात करेंगी। रेखा शर्मा रात्रि विज्ञान चित्तौड़गढ़ में कर खिवार को मेवाड़ यूनिवर्सिटी, से सड़क मार्ग द्वारा उदयपुर के लिए प्रस्थान करेंगी।